

रुद्रकखलु ल्यत्र कवर्धकलियूगं यन्मृदीय वासुकि रुद्र आर्या
वर्धकं रुद्रकं नयाल दरुध डय द्युदयि १० वागमस्या ४ यश्चिमल
रा धारव नया रुद्रवयार्थ विरुमस्या पूर्वदिशि कभा वस्या दकिन
राग सुदूर्जयारुमिसमान जूतगी दवान् यश्च न यी खगाननाह
बृक विवृया रुस्य रुद्र रुद्र द्युवक तनिधान १० देव पूम्भ रुमोर्ध

अथ काय ॥ ओं नमो भगवते कथं भगवता या पूर्व वाधिसत्त्व
यौवनं हि वाधिसत्त्व भगवति मातापितृ पूर्वगमनस्य ४ सप्त पूर्व
स्य ४ पूषमाविधायकात्मा यत्मा ४ दियं गुरु यत्मा यत्मा
मूकतामध्याययत्मा गकार्थस्य चर्षणाम्बु सन्निकयिष्योक्तता
र्थ ॥ दयिंशु संकल्पयाम्यहं ॥ ॥ लखकय ॥ ओं नमो भगवते

वर्द्धगकियविष्णु धननाजाय कथं भगवता यार्हक सम्यक् वृद्धाय ॥ न
यथा ॥ ओं ॥ धनशिविष्णु धनशसर्वयाय विष्णु धनशुद्धविशुद्धस
र्वकर्मावयवविष्णु धनस्वाहा ॥ ॥ ओं ॥ अमाघांयमिह कुरु नरस
र्वकर्मकुरु यत्मा यत्मा ॥ धनकलि ॥ ओं वाधिसत्त्व यौवनन
स्वाहा ॥ लख ॥ ओं पूष ॥ २ महापूष अयनिमिह पूष अयनिमिमाय

यूध्यहानसैला वायं के काविमिस्त्रहा ॥ राथनयिबुझायक धून
काव कृमनवाथयक वाक् ॥ ओं द्विन्द २ स्वधा ॥ ओं द्विन्द २ स्वधा ॥ ऊत
कनयाणुवेयक के नायजूककव ॥ अगर्हसकय के वाक ॥ ओं व
ऊधउगर्हसाहा ॥ वेयकयकस्त्रान वायवाक ॥ ओं वऊवे वावनाय
वऊययंपतिष्ठसाहा ॥ ओं पूकासाय ॥ पू ॥ ओं नत्तस्रवाय ॥ दा

ओं जूमिनाहाय ॥ प ॥ ओं जूमापतिष्ठिय ॥ उ ॥ ओं मामकिय ॥ पू ॥
ओं वावनिय ॥ ने ॥ ओं यन्ननिय ॥ वा ॥ ओं नावाय ॥ ॐ ॥ वेयस्था
यनायाय ॥ ओं स्रपतिस्थितवऊसाहा ॥ वेयसलंखनदास्यं स्वधन
मऊ ॥ ओं नमाकगावस्रवे वावनपुरुकडुवाजाय कथागनायाइ
हं नसम्यक् वूझाय ॥ नयथा ॥ ओं स्रक्त २ स्रमय २ ॥ क २ दा क २

जसमानुयकवम्वजुनावम्वयखावनिमहाकडनिवात्रम्वनिवकु
लनिर्वानेसर्वकथागताधिष्ठानधिष्ठिरस्वाहाथनवेद्यमकस्व
माहास्नानकसंरावनाभाओंमून२महामूनस्वाहाधूयनिमकुता
स्नानयाककभायनियदिपूजाभाथनलिकुषपूषिकापूठका
नकवाकभाजुयकायभाओंनमारुगवकयथाकन्यादिभास्वमवाक

नकुभासनमूयनिलिगांभावधर्मसद्यपू३सूखावतिल्लाकः
स्वपू९स्वायकवाकभाओंस्वस्वागताययमिदमासनमायकाभाक
गारुवताभाकभाजुकासस्थसर्वदवमादिरिगवमांगुधवनीः
कर्वदुदवानागासूवायकागंधर्वाथमहावगारुनायकायिभावाया
धसर्ववागकयूयंकवृक्षातांगुधवर्षनांजुहावृक्ष२वृक्षधर्मकभा

नमः सर्वदुर्गे नित्यं वि सं (॥) धनं य सत्त्वा ता वा धि पा य रु भान व क
थ न किर्य क ह्व च्छु दी र्घा यू षा न वा नृ त्था द क वृ ह्वा कां का न स र्ग नि
पा य न्ना जू न्या न्या नृ ग मा ४ सर्व धर्मा ४ य व स्य वा नृ ग मा ४ य वि षा स
व धर्मा ४ जू न्या न्या नृ य वि षा ४ सर्व धर्मा ॥ ओं व ऊ वं ध वं ३ ओं सर्व वि
नृ व ऊ वं ध नृ ३ ॥ ओं नि ष्व ऊ दृ दाम रु व गा ध मा म रु व दृ दयः

७

म रु व जू धि नि ष्ट रु सर्व सि धि म य य दृ दूं रु रु रु रु रु ४ रु ग व न्ति
स्व ऊ स न य स्वं व ऊ वं ध जू ओं व ऊ मृ ष्टि वं ॥ ओं सर्व वि नृ (॥) धनं
२ सर्व या या न य न य दूं ३ या य क र्प न म रु ॥ ओं सर्व वि नृ सर्व या य वि
(॥) धनि दूं रु दूं ॥ ओं सर्व वि नृ जा रु दूं ॥ ओं सर्व वि नृ सर्वा व व ध विः
(॥) धन म दूं रु दूं गा या य वि षा र्ज न मं रु ग रु न य श्रा या गि ता रु दयः

[illegible][illegible]

विद्यारुपिंदथयकवाकं॥ अथ काय॥ अं नमो गवतः यथा कं॥ आदि
मूलरुपिंदथय अथ यथा कं॥ आदि० यिं सं सं घृणा सा द का स न व ना स
मा सा स स्त का द य स र्वा य क व न स हि नां सर्व कृत्ति क व जि ना य दि
घ क दा ण मि स यू य धू य दि य गंध ने व या दि सं यू क दि य ग न यू य न
स्व यि ना अ मू ना म ध्या य व र्ष सां व त्स वि क यि दं सं य य कृ मि स्त धा इ॥

ऊ अ ला हा न न अ ला न न य इ त्॥ वि धि व त्पू जा ग स्ना न क सं रा व
ना॥ अं मू न र म हा मू नि य स्वा हा॥ स्ना न या क के ग लं ख ता इ इ इ इ
ध लि ध ल क लि ध लं ख॥ वा के॥ अं नमो गवतः सर्व इ र्ग कि श्या
दि पूर्व व क॥ वा सि क्क॥ अं सर्व वि क्त्वं ऊ ग ध स्वा हा वा य न ला
हा॥ अं सर्व वि ट् रु द न् रु ख स्व धा॥ ऊ ऊ म का॥ अं सर्व वि क्त्वं ऊ

वस्तु वाससस्व ध्याय न स्वां भाओं सर्वविदुः प्रज्ञाया न मिनायू कामय
समूह स्तु न न समय इं मा स्वां भाओं सर्वविदुः प्रज्ञाया न मिनायू
स्वान उरु लस्वान व अस्मां मूखां आदिन मय वा क भाओं सत्तां ऊ
मस्त्रिका वैव न क र्क र्किंग स मा स्तु न एतानि सिद्धि सा इतु दुष्यं नि
न न सदा ॥ ने व यः समय भाओं सर्वविदुः प्रज्ञाया न मिनायू ध्याय

मं जू मू न २ जू मू न ह व जू मू न सं रु व जू मू न वि जां न ग मि नि जू
मू क नाम ध्याय सर्व कर्म कृ षा कृ य क नी य स्व ध्याय न मि सि भाओं स
र्व वि न व उ ज वि ल रु ला य स्वा हा भा उ भाओं सर्व क व उ ॐ ष व स्व ध्या
भाओं सर्व वि न व उ क र्किं क रु ला य स्व ध्या ॥ क ना भाओं सर्व वि न व उ
ध्या वि ग रु वा य स्व ध्या ॥ ध्या न भाओं सर्व वि न व उ द दि म रु ला य स्व

ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥ ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥
 ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥ ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥
 ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥ ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥
 ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥ ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥
 ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥ ॐ सर्वविघ्नहर्त्राय नमः ॥

[illegible]

कृमिभयनलिविकलपिष्ठययभजययथरुह्यादि॥यचासकूल
जामजयकाययवायवाजासगर्गाविनूपावक्षमाक्षारकूलनम
रुमादरुनरुमायाडुयनारकिमर्वसखावहितविकलायेंडुन
भडुकाविवास्तनासयवावनासवधनानाइयनानादिकल
भारासकाधनायविकलमानकाकपिष्ठसययक्षानसभरु

जाम. कसूरुवि

238

३

८ नमस्तु वल उल्लिखाय समंता तत्त्वरावने ॥ ६ ॥ धातु की धि
 त्तुर्वगलिषकं यदायकं ॥ ७ ॥ नमस्तु यम उल्लिखाय स्वराव
 वलिवकय ॥ आस्तासयं तिसृषु धर्मा निरुपवर्ष ॥ ८ ॥ न
 मस्तु विध उल्लिखाय स्वराव रुमनूहिर्न ॥ विसृक्ते कदा कदा
 शब्दानां इव साकय ॥ ९ ॥ नमस्तु रुजा उल्लिखाय ॥ १० ॥ धातु की म

रायय ॥ सर्वसत्त्व यथायय ॥ सत्त्व हरा क विषयि ॥ ११ ॥ नमस्तु
 ध उल्लिखाय विनाम निध उध वं ॥ दातन सर्वसत्त्वानां सर्वा
 साय विपुत्रक ॥ १२ ॥ नमस्तु की का लिखाय ॥ १३ ॥ प कु रा ई द
 क ॥ व दु मा लं वल रु प्र सत्त्वानां वाधि पायक ॥ १४ ॥ नमस्तु रुजा
 लिखाय ॥ मय कु दु स्व हि र्ग ॥ १५ ॥ धातु की उगा सर्व धर्म गा ज स्वः

वायव्य १३॥ लाङ्गामालाकथागीतानृत्यादयवदुष्टय
यूष्याधूयादियाधुगधादवीनमस्तु १४॥ घानमधुस्थ
तावेधर्जकृशयाभस्मटक॥ यज्ञाद्यरावनिर्यातं घालया
नमस्तु १५॥ विदितादोस्त्रिनायधुवत्ताविद्यानपाशका॥ म
दितादोदधधित्वावाधिसत्वनमस्तु १६॥ वभञ्जो नूदव

डार्कलाकयालावउर्दिशं॥ जूग्निवाकसवायूधरुगाधियमि
नमस्तु १७॥ नडारुडाऊयासोम्पाकयिलाधुस्वमाकन॥
यसिद्धधमहालक्ष्मीमायुवात्रागर्भयद॥ १८॥ नूऊनं
विशुद्धं सर्वसिद्धिमहालक्ष्मीं॥ वेस्ताननमद्वधसर्वसिद्धिय
यर्क॥ १९॥ ताकन॥ धूनिधूनकाडालखेदकयंवामृक

सर्वविद्यया वा वं सर्वसत्त्वा सत्त्वसंगहन संगहि ता जूद
ता वा ऊलायुजा वा सैखद जा वा डय या दूका वा नूयि ता वा जू
नूयि ता वा संगि ता वा जू संगि ता वा नेव संगि ता वा नाम संगि ता
वा सर्वसत्त्वाम या महाम जर्मय दाय किं स्थाययि कथा ॥
यून ॥ यम २ महायम यमस्य ववर्ग रुदिवंग न जू म क नाम ध्या

यसूखा वया ला क धा डु म न ग रुं रु स्व धा रुं ॥ ध्रुव वा क न गु न
ऊयमान निष्कस्य न ग कि वि य ॥ घूत गु न न ग कि वि य ॥ स्रुजा
मस्य महाधा न स्रु क त्वा वे न व नी ता दि रु ॥ स्रु क त्वा वे मान सै य न
नै व द्वा य न मा मि ह ॥ तिल या नि र्य क या नि प्र ये न दे वा सू ज्ञान वा
उनी र्श रु व का ना न नै व द्वा य न मा मि ह ॥ दि गु स म्म य आ ग वा द रु

नामयथस्वनांश्चलखनयगववग्मलक्षायवाक॥ओंनांव
लयुगकलायसाहा॥सनाकवविसर्जनयिदअयवेत्यनय।
यलपुसाकोयनयजुकासाकय॥धूयमरुतयकवाक॥ओंव
स्व२महावतजलमालाविष्णुधनदियंगनजुमकनामध्याय
इगकिमार्गविसर्कायसुगकिमार्गदर्शनायओंजावऊदियकी

स्वधारागोवियवाक॥पूर्ववक्तुयावंकथादि॥सनाकवविमर्ज
नयिंधुवुयक॥॥ॐनियिंधुविधानसमाप्त॥॥ॐ॥॥
॥ओंनमाःशीवजसत्वायगोडावऊसत्वाआ५॥रावतागनकुर्व
भमहाकदिव्यायविनाखंमदवतावृद्धधर्मसपदवता४पृथिः
विजाऊददागर्ह४सर्वविप्रभाकिनकायाकिरुनुस्वकिवृत्ताहा







॥ श्री गुरुदेव ॥

कृष्णार्जुनसंवादे